PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No._____

(In words)

J 9 1 1 2

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – III

पण्हपत्तं – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अंक** हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. The alternative name of Bhagawati Sutra is
भगवइ-सुतस्स अवरणामं अत्थि
भगवती-सूत्र का वैकल्पिक नाम है
(A) जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति (B) चन्द्र प्रज्ञप्ति
(C) सूर्य प्रज्ञप्ति (D) व्याख्या प्रज्ञप्ति

2. This is not an āgama work
इमं आयम-गंथो णत्थि
यह आगम-ग्रंथ नहीं है
(A) दृष्टिववाद-अंग (B) दशवैकालिक
(C) राजप्रश्नीय (D) समराइच्चकहा

3. The subject matter of Setubandha Mahakavya is
सेतुबन्ध महाकव्वस्स वण्ण-विसयमत्थि
सेतुबन्ध महाकाव्य का वर्ण्य-विषय है
(A) कृष्णकथा (B) रामकथा
(C) अध्यात्म (D) दर्शन चिन्तन

4. "जीवादी सद्दहणं सम्मत्तं"
is the part of a gātha from
इमं गाहं सो इमम्मि गंथे पजुत्तं
यह गाथाखंड इस ग्रंथ से है
(A) द्रव्यसंग्रह (B) उत्तराध्ययनसूत्र
(C) प्रवचनसार (D) आचारांग

5. This poet has written verses on the praise of Prakrit
पाइयस्स महत्ते अमुणा महाकइणा इमा गाहा लिहिदा अत्थि
प्राकृत के महत्त्व पर इस महाकवि ने गाथा लिखी है
(A) प्रवरसेन (B) वाक्यतिराज
(C) कोऊहल (D) कृष्णलीलाशुक

6. Prakrita Pengalaṁ text belongs to this form
प्राकृतपैंगलं इमस्स विहिस्स गंथो अत्थि
प्राकृतपैंगलं ग्रन्थ इस विधा का है
(A) कोशग्रन्थ (B) छन्दग्रन्थ
(C) चरितग्रन्थ (D) कथाग्रन्थ

7. The subject matter of 'Dravya Sangraha' is
"द्रव्यसंग्रह" इमस्स गंथस्स वण्ण-विसयं अत्थि
'द्रव्य-संग्रह' का वर्ण्य-विषय है
(A) सप्त तत्व संग्रह (B) नव-पदार्थ संग्रह
(C) षड् द्रव्यसंग्रह (D) वित्त संग्रह

8. Sanskrit 'ai' is changed into Māhārāṣṭrī is
सक्कय 'ऐ'कारो मरहट्ठम्मि इमं रूवेणं परिवट्टिओ होइ
संस्कृत 'ऐ' महाराष्ट्री में इस रूप से परिवर्तित है
(A) इ (B) ओ
(C) अइ (D) अए

9. This is the reason to saying Dvayāshrayakāvya to Kumārpālacurita.
कुमारपालचरित्तं द्वयाश्रय-कव्व-कधणस्स इमं कारणमत्थि
कुमारपालचरित को 'द्वयाश्रय काव्य' कहने का कारण है
(A) अलंकार और गद्यप्रयोग
(B) जीवनचरित और व्याकरण
(C) पद्य और गद्य-मिश्रण
(D) दो भाषाओं का प्रयोग

10. The following group of works are written in Shaurseni Prakrit :
अहोलिहिदा गंथ समूह सोरसेणी पाइय-भासा-गंथा संति
निम्न ग्रन्थ-समूह शौरसेनी प्राकृत में हैं
(A) लीलावइ-कहा, कंसवहो, गउडवहो
(B) समराइच्चकहा, सेतुबन्धो, आरामसोहाकहा
(C) णियमसारो, समयसारो, दव्वसंगहो
(D) समवायंग सुतं, आयारंग सुतं, वियाहपण्णत्ति

11. The actual meaning of the word Pasand used in Asokan Inscription is
असोगस्स सिलालेहे पजुत्तं 'पासंड' सद्दस्स अहिप्पायो अत्थि
अशोक के शिलालेखों में प्रयुक्त 'पासंड' शब्द का अभिप्राय है
(A) सम्प्रदाय (B) जाति
(C) अन्धविश्वास (D) धूर्त्त

12. Read the Unit-I and II for the correct match :
पढमं बीयं य समूहं सुट्ठु मिलाणत्थं पढउ
प्रथम और द्वितीय समूहों को सही मिलान के लिए पढ़िए :

सूची – I	**सूची – II**
(a) सेतुबन्ध	(i) विमलसूरि
(b) वज्जालग्गं	(ii) हरिभद्रसूरि
(c) पउमचरियं	(iii) प्रवरसेन
(d) समराइच्चकहा	(iv) जयवल्लभ

Identify the correct match :
सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिहउ :
सही मिलान की पहचान कीजिए :
कूट :
(A) (a) + (iii) (B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iv) (D) (d) + (i)

13. Acārya Hemachandra and King Kumārapala were related as
आयरिय हेमचंदस्स कुमारपाल णिवेण सह इमो संबंधो अत्थि
आचार्य हेमचन्द्र और नृप कुमारपाल के बीच सम्बन्ध था
(A) पिता-पुत्र (B) मन्त्री-राजा
(C) शासक-कर्मचारी (D) गुरु-शिष्य

14. This part of Rāmāyana was basis of the story of 'Setubandha'
'सेतुबन्ध'स्स कहाधारं रामायणस्स इमं कांडं अत्थि
'सेतुबन्ध' की कथा का आधार रामायण का यह काण्ड है
(A) युद्धकाण्ड (B) अयोद्धाकाण्ड
(C) बालकाण्ड (D) सुन्दरकाण्ड

15. Actor Samvāhaka of Mṛacchakaṭikaṁ was servant of
'मृच्छकटिक'स्स संवाहको णामगं पत्तं इमस्स सेवगं आसी
मृच्छकटिकं का पात्र संवाहक इनका सेवक था
(A) शकार (B) चारुदत्त
(C) बसन्तसेना (D) राजा

16. 'Kuvalaya Malakaha' belongs to this literary category
'कुवलयमालाकहा' इमस्स साहित्त विहीएगंथो अत्थि
'कुवलयमालाकहा' इस साहित्य-विधा का ग्रन्थ है
(A) खण्ड काव्य (B) नाटक
(C) महाकाव्य (D) चम्पू

17. 'चारित्तं खलु धम्मो' is found in
'चारित्तं खलु धम्मो' इमम्मि गंथे अत्थि
'चारित्तं खलु धम्मो' इस ग्रंथ में है
(A) द्रव्यसंग्रह (B) प्रवचनसार
(C) उत्तराध्यनसूत्र (D) आचारांगसूत्र

18. The example of changing 'a' into 'e' is
अकारस्स ठाणे एकार परिवट्टणस्स उदाहरणं इमं अत्थि
अकार के स्थान में एकार के परिवर्तन का यह उदाहरण है
(A) सण्वे (B) कालेणं
(C) सेउ (D) सेज्जा

19. Changing of vowel from one to another is a feature of
एगाओ, सराओ सरंतरे परिवट्टणस्स नियमो इमम्मि पाइअम्मि
एक स्वर से दूसरे स्वर में परिवर्तन का नियम इस प्राकृत में है
(A) शौरसेनी (B) आभीरी
(C) अपभ्रंश (D) माहाराष्ट्री

20. "सिद्धत्थपमाणो वि वइर विसेसो गुरुसहावो" the subject matter of this is
'सिद्धत्थपमाणो वि वइर-विसेसो गुरुसहावो' अस्स पंत्तिस्स वण्ण-विसया अत्थि
'सिद्धत्थपमाणो वि वइर-विसेसो गुरुसहावो' का वर्ण्य-विषय यह है
(A) बैर के फल को बतलाना
(B) गुरु के स्वभाव को बतलाना
(C) सिद्धार्थ के जीवन का वर्णन
(D) कुवलयमाला का सौन्दर्य वर्णन

21. This is the meaning of 'उच्छरई' in the sentance उच्छरई तमो गयणो ।
'उच्छरई तमो गयणो' इमम्हि कहणे 'उच्छरई' सद्दस्स अत्थो अत्थि
'उच्छरई तमो गयणो' में उच्छरई का अर्थ है
(A) आ रहा है (B) अस्त हो रहा है
(C) फैल रहा है (D) ऊँचा हो रहा है

22. The author of Nayakumar Chariu is
णायकुमार चरिउए इमस्स लेहगो अत्थि
णायकुमार चरिउ का लेखक है
(A) स्वयम्भू (B) देवसेन
(C) पुष्पदन्त (D) धरसेन

23. Simili of a person without puruṣārtha is given in Kuvalayamāla as
कुवलयमाला कहा-गंथे पुरुसत्थविहीणस्स णरस्स उवमा पदत्ता
कुवलयमालाकहा में पुरुषार्थ से रहित व्यक्ति की उपमा दी गयी है
(A) कमलपुष्प (B) ईख-पुष्प
(C) गुलाबपुष्प (D) चम्पापुष्प

24. 'रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली' Statement used by
'रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली' कहणं अस्स पत्तस्स अत्थि
'रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली' कथन इस पात्र का है
(A) कर्पूरमंजरी (B) विचक्षणा
(C) वसन्तसेना (D) विदूषक

25. This is not a Prakrit Chhanda-work
इमं पाइय छंद गंथं णत्थि
यह प्राकृत छन्द-ग्रन्थ नहीं है
(A) वृत्तजाति समुच्चय
(B) प्राकृत पैंगलम्
(C) वसुदेवहिंडी
(D) कविदर्पण

26. The second name of Deśināmamālā is
देसीणाममालाए वीयो णाम अत्थि
देशीनाममाला का दूसरा नाम है
(A) कविदर्पण
(B) रमणावली
(C) पाइयलच्छीनाममाला
(D) गाहालक्खण

27. The name of wife of Mahakavi Rājashekhara is
महाकइ रायसेहरस्स भारिया-णाम इमा अत्थि
महाकवि राजशेखर की पत्नी का नाम है
(A) प्रियंवदा (B) अवन्तिसुन्दरी
(C) आनन्दसुन्दरी (D) रंभा

28. Samvāhaka and Radanikā are actors of
संवाहगो रदनिका य अस्स गंथस्स पत्ता संति
संवाहक और रदनिका इस ग्रन्थ के पात्र हैं
(A) मृच्छकटिकं
(B) आनन्दसुन्दरी
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलं
(D) कर्पूरमंजरी

29. 'Nāyakumar Chariu' is composed in this langauge
'णायकुमारचरिउ' इत्तस्स भासा इमा अत्थि
'णायकुमारचरिउ' इस भाषा में लिखित है
(A) महाराष्ट्री प्राकृत (B) शौरसेनी प्राकृत
(C) अपभ्रंश (D) मागधी प्राकृत

30. Changing of intervocalic 't' into 'd' is in
सरमज्झत्था 'त'कारस्स इमम्मि 'द' होइ
स्वरमध्यवर्ती 'त' का 'द' इसमें होता है
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री
(C) गान्धारी (D) इनमें से कोई नहीं

31. What is the language of Viduṣaka in dramas ?
णाडगाणं विदूसगस्स भासा का ?
नाटकों में विदूषक की भाषा क्या है ?
(A) मागधी (B) शौरसेनी
(C) शाकारी (D) पैशाची

32. The language of the female characters in the drama while singing is
नाडगम्मि महिलाए गेञ्जभासा इभाअत्थि
नाटकों में महिलापात्र की गेय भाषा यह है
(A) पैशाची (B) आवन्ती
(C) दाक्षिणात्या (D) महाराष्ट्री

33. 'Iti' the indeclinable while stands in the initial position of a sentence changes into
वक्कस्स आदीए 'इति' अव्वअस्स परिवत्तणं होइ
वाक्य के आदि में 'इति' अव्यय का परिवर्तन होता है
(A) इइ (B) इअ
(C) इत्ति (D) अइ

34. The word 'vajra' changes into Prakrit as
'वज्र' सद्दो पाइअम्मि इमंरुवेणं परिवहणं होइ
'वज्र' शब्द प्राकृत में इस रूप में परिवर्तित होता है
(A) वज्ज (B) वइर
(C) वयर (D) वअर

35. Change the word 'gṛahapati' in Prakrit as
'गृहपति' सद्दस्स पाइअरुवं इमं अत्थि
'गृहपति' शब्द का प्राकृत रूप यह है
(A) घरवइ (B) गेहवइ
(C) गहवइ (D) घरपति

36. Optative form of root 'gaccha' is
'गच्छ' धाउए विधिलिङ् रुवं अत्थि
'गच्छ' धातु के विधिलिङ का रूप है
(A) गमिस्सइ (B) गच्छेज्जा
(C) गच्छउ (D) गमंतु

37. Sanskrit visarga with 'i' ending turns into Prakrit as
सक्कयस्स विसग्ग सहिओ 'इ-कारान्त' सद्दस्स इकारो पाइअम्मि इमं होइ
संस्कृत विसर्गसहित इकारान्त शब्द के 'इ' का प्राकृत में यह होता है
(A) आ (B) ई
(C) ए (D) इ

38. Kṛtvā is changed into Prakrit as
'कृत्वा' पाइअ भासाए इमं होइ
'कृत्वा' का प्राकृत में यह होता है
(A) करिअ (B) काऊण
(C) कओ (D) कलेदि

39. In Māgadhī 'dy' is changed into
मागदीए 'द्य' कारस्स इमं परिवट्टणं होइ
मागधी में 'द्य' का परिवर्तन होता है
(A) द्द (B) ज्ज
(C) य्य (D) द्य

40. The language of 'Ṇāyakumāra chariu' is
'णायकुमारचरिउ' कव्वस्स भासा इमा अत्थि
'णायकुमारचरिउ' की भाषा यह है
(A) अर्धमागधी (B) अपभ्रंश
(C) शौरसेनी (D) पैशाची

41. जीवो उवओगमओ अमुत्ति कत्ता सदेह परिमाणो ।
भोत्ता संसरत्थो सिद्धो सो विस्ससोड्ढगई ।।
This verse is found in
इमा गाहा इमम्मि गंथे अत्थि
यह गाथा इस ग्रंथ में है
(A) समयसार (B) उत्तराध्यनसूत्र
(C) द्रव्यसंग्रह (D) सन्मतितर्कप्रकरण

42. The author of 'Sanmati-tarka-prakaraṇam' is
'सन्मतितर्कप्रकरणं' इत्तस्य लेहगो अत्थि -
'सन्मतितर्कप्रकरणं' का लेखक है -
(A) सिद्धसेन (B) धरसेन
(C) गुणधर (D) कुंदकुंद

43. Point out the source language in between Prakrit Language and the M.I.L.
पाइअ-भासाअ अहुनिय भारहस्स भासा सह संजोजिका-भासा का ?
प्राकृत-भाषा की आधुनिक भारतीय भाषाओं की संयोजिका भाषा कौन है ?
(A) वैदिक (B) संस्कृत
(C) पालि (D) अपभ्रंश

44. Pravacana-sāra was written by
पवयणसारस्स लेहगो अत्थि -
प्रवचनसार के लेखक हैं -
(A) हरिभद्र (B) सिद्धसेन
(C) शुभचंद्र (D) कुंदकुंद

45. 'Jayadhavala' is the commentary on
'जयधवला' अस्स गंथस्स टीका अत्थि -
'जयधवला' इस ग्रंथ की टीका है -
(A) गोम्मटसार (B) समयसार
(C) द्रव्यसंग्रह (D) कसायपाहुड

46. 'मिहिलाए डज्झमाणीए न मे डज्झइ किंचण'
This is the statement of -
इमं अस्स वत्तव्वं अत्थि -
यह इनका वक्तव्य है -
(A) गौतम (B) संभूत
(C) नमि (D) केशी

47. Prakriti, Sthiti, Anubhāga and Pradeśa are the four kinds of
पयडिट्ठिदि अणुभागप्पदेस इमस्स चदुविधा भेदा संति -
प्रकृति, स्थिति, अनुभाग और प्रदेश ये इसके चार भेद हैं -
(A) जीव (B) पुद्गल
(C) बंध (D) अस्तिकाय

48. Kinds of उपयोग are
उवओगस्स वियप्पाइमा संति -
उपयोग के विकल्प हैं -
(A) तीन (B) चार
(C) दो (D) पाँच

49. Number of Gunasthānas are
गुणत्थाणस्स संखा इमा अत्थि -
गुणस्थानों की संख्या है
(A) आठ (B) दो
(C) चौदह (D) बारह

50. The meaning of आयंकदंसी is
आयंकदंसी सद्दस्स अत्थं अत्थि :
आयंकदंसी शब्द का अर्थ है :
(A) आचारहब्रा (B) आत्महब्रा
(C) अन्तहब्रा (D) आतंकहब्रा

51. The meaning of Mūlatthāna in "Je gune se Mūlatthāne, je Mūlatthāne se gune" indicates :
"जे गुण से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे" अम्हि पदे मूलट्ठाणस्स अत्थं अत्थि :
"जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे" पद में मूलट्ठाण का अर्थ है :
(A) संसार (B) गुण
(C) सूत्र (D) तत्त्व

52. The founder of Mūlasangha is
मूलसंघस्स आइ-पवत्तगो अत्थि
मूलसंघ के आदि प्रवर्तक हैं
(A) धरसेन (B) कुन्दकुन्द
(C) गुणधर (D) समन्तभद्र

53. The meaning of Samana is
समण सद्दस्स अत्थं अत्थि
समण शब्द का अर्थ है
(A) समसुहदुक्खो (B) समनस्क
(C) भंगविहीणो (D) अणंतवरवीरिओ

54. Avagraha, Ihā, Avaya and Dharaṇā are the stages of
अवग्गह, ईहा, अवाय तह धारणा रुव चउविह अवत्थि अस्स संति
अवग्रह, ईहा, अवाय और धारणा ये चार स्थितियाँ इसकी हैं :
(A) अतीन्द्रिय प्रत्यक्ष (B) इन्द्रिय प्रत्यक्ष
(C) अनुमान (D) आगम

55. 'Uttarādhyayan-Sūtra' is known as
'उत्तरज्झयणसुत्त' गंथो इमम्मि पयारे पसिद्धो अत्थि
'उत्तराध्ययन-सूत्र' इस प्रकार में प्रसिद्ध है
(A) मूलसूत्र (B) चंपूकाव्य
(C) कथाकाव्य (D) नाट्यकाव्य

56. The discussing Keshi with Gautam is found in this work
केसी-गोयम संवादो इमम्मि गंथे वण्णितो अत्थि
केशी-गौतम का संवाद इस ग्रन्थ में वर्णित है
(A) आयारंग-सुत्त (B) उवासगसुत्त
(C) उत्तरज्झयणसुत्त (D) पवयणसारे

57. In एगंतमहिट्ठिओ, the record 'एगन्त' connotes the meaning
एगंतमहिट्ठिओ पए 'एगंत' सद्दस्स आसयं अत्थि
'एगंतमहिट्ठिओ' में 'एगंत' शब्द का आशय है
(A) पृथक् (B) मोक्ष
(C) एकान्तपक्ष (D) अंश

58. The language used in the preachings of Lord Mahavira is
महावीर सामिस्स उवएसाणं भासा इमा अत्थि
म. महावीर के उपदेशों की भाषा यह है
(A) अर्धमागधी (B) मागधी
(C) शौरसेनी (D) महाराष्ट्री

59. This is called ārṣa Prakrita
इमा आरिसंपाइयं अत्थि
यह आर्ष प्राकृत है
(A) चूलिका पैशाची (B) अपभ्रंश
(C) मागधी (D) अर्धमागधी

60. The name of the first chapter of the Āyāraṅga is
आयारंगस्स पढम अज्झयणस्स णामा अत्थि
आयारंग के प्रथम अध्ययन का नाम है
(A) धियं (B) विमोक्खो
(C) सत्थ परिण्णा (D) लोगविजओ

61. Maximum Prakrit languages are used in this work
सव्वाहिय् पाइय-भासा-समूहा इमम्मि गंथे पजुत्ता संति
सबसे अधिक प्राकृत भाषाएँ इस ग्रन्थ में प्रयुक्त है
(A) वेणीसंहार (B) मृच्छकटिकं
(C) मुद्राराक्षस (D) कर्पूरमंजरी

62. Candaleha work belongs to this form of literature
चंदलेहा-गंथो इमा विहा गंथो अत्थि
'चन्दलेहा' ग्रन्थ इस 'विधा' का ग्रन्थ है
(A) सट्टक (B) काव्य
(C) कथा (D) महाकाव्य

63. The Alaṁkāradarppana is composed in
अलंकार-दर्पण इमम्मि भासम्हि लिहिदा अत्थि
अलंकारदर्पण इस भाषा में लिखित है
(A) पालि (B) अपभ्रंश
(C) प्राकृत (D) संस्कृत

64. In the beginning of 'Kuvalayamāla' salutation is done to
कुवलयमालाकहा-गंथस्स पारंभे अस्स वंदणा कारिदं
'कुवलयमालाकहा' के प्रारम्भ में इनकी वन्दना की गयी है
(A) शिव की (B) विष्णु की
(C) तीर्थंकरों की (D) आचार्यों की

65. Māgadhī in Sanskrit drama is spoken by
संकिद नाडबो मगही-भासाअ पओगं इमं पत्तं करेइ
संस्कृत नाटक में यह पात्र मागधी में बोलता है
(A) राणी (B) धीवर
(C) राजा (D) द्वारपाल

66. The number of Astikāyas is
अत्थिकाय इत्तस्स भेद-पयारं संति
अस्तिकाय की संख्या है
(A) पंचभेद-प्रकार (B) चार भेद प्रकार
(C) सप्त भेद प्रकार (D) छह भेद प्रकार

67. This is an example of Māgadhī
मगही-पाइय उदाहरणं इमं अत्थि
यह मागधी प्राकृत का उदाहरण है
(A) पुलिशे (B) अज्जा
(C) रामो (D) राओ

68. The appropriate form of 'gacchati' in Śaurasenī is
सौरसेनी पाइयम्हि 'गच्छति' सद्दस्स उवजुत्तं रुवं अत्थि
शौरसेनी-प्राकृत में 'गच्छति' का उपयुक्त रूप है
(A) गमइ (B) गमति
(C) गच्छइ (D) गच्छदि

69. Example of the progressive assimilation is
पुरोगामि समीगरणस्स इमं उदाहरणं अत्थि
यह पुरोगामि समीकरण का उदाहरण है
(A) पुत्त (B) स्ग
(C) अज्ज (D) अप्प

70. This is not an Agama work
इमं आयामगंथ णत्थि
यह आगम-ग्रन्थ नहीं है
(A) दृष्टिवाद (B) समवायांग
(C) राजप्रश्नीय (D) समराइच्चकहा

71. The author of Samayasara is
समयसारस्स लेहगो अत्थि
समयसार का लेखक है
(A) आचार्य हरिभद्र (B) आचार्य कुन्दकुन्द
(C) आचार्य हेमचन्द्र (D) आचार्य शिवार्य

72. 'प्रकृति: संस्कृतं । तत्र भवं तत: आगतं वा प्राकृतम् ।' Above statement is said by –
उवरि उत्तं कहणं अणेण आयरियेण कहिदं
उपर्युक्त कथन इस आचार्य द्वारा कहा गया है
(A) शुभचंद्र (B) हेमचंद्र
(C) मार्कंडेय (D) चंड

73. The 'Sammaisuttam' deals with
सम्मइसुत्तस्स विसयं इमं अत्थि
'सम्मइसुत्त' का विषय इस पर केन्द्रित है
(A) कथा-स्वरूप (B) जगत्कर्तृत्व
(C) परमात्मस्वरूप (D) अनेकान्तवाद

74. The author of the 'Nāyakamārachariu' is
'णायकुमारचरिउ' गंथस्स लेहगो इमो अत्थि
'णायकुमारचरिउ' के लेखक हैं
(A) हेमचन्द्र (B) पुष्पदन्त
(C) हरिभद्र (D) स्वयम्भू

75. Kharvela Inscription is found at
खारवेल-सिलालेहं अत्तत्थले पत्तं अत्थि
खारवेल-शिलालेख यहाँ उपलब्ध हुआ है
(A) धौली (B) सारनाथ
(C) जूनागढ़ (D) उदयगिरि-खण्डगिरि

Space For Rough Work